संस्कृति संवाद श्रृंखला-४

निमित्त : देवेन्द्र स्वरूप

दिनांक : ३० मार्च २०१७, गुरुवार

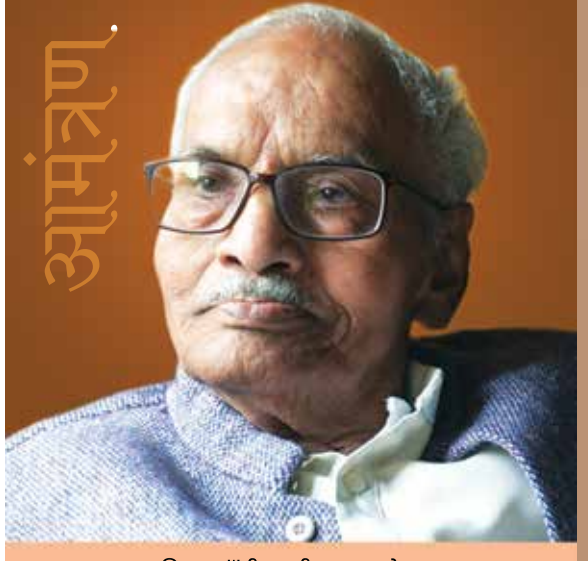

आमंत्रण

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

कार्यक्रम

पहला सत्र

१२:०० बजे से १:३० तक

संस्कृति के बदलते आयाम और जीवन दर्शन

डॉ. बजरंगलाल गुप्त

श्री रवीन्द्र किशोर सिन्हा

डॉ. महेश शर्मा

श्री बालेश्वर शर्मा

श्री बनवारी

प्रो. राकेश सिन्हा

दूसरा सत्र

३:०० से ५:०० बजे तक

राष्ट्रीयता के प्रश्न

श्री के. एन. गोविन्दाचार्य

डॉ. जितेन्द्र बजाज

श्री बलबीर पुंज

डॉ. सूर्यकांत बाली

डॉ. मीनाक्षी जैन

श्री शंकर शरण

५:३० बजे

संस्कृति संवाद श्रृंखला-४

निमित्त : देवेन्द्र स्वरूप

अभिनंदन

दिनांक : ३० मार्च २०१७, गुरुवार

प्रातः १०:३० बजे से १२:०० तक

मुख्य अतिथि

डॉ. मुरली मनोहर जोशी

स्वागत

श्री रामबहादुर राय

विशिष्ट अतिथि

डॉ. कृष्ण गोपाल — श्री दत्तात्रेय होसबाले

कार्यक्रम स्थल :

सभागार : इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र,

सी. वी. मेस, जनपथ, नई दिल्ली-११०००१ (प्रवेश द्वार 1 से)

प्रोफेसर देवेन्द्र स्वरूप

प्रो. देवेन्द्र स्वरूप 91 साल की लंबी और सार्थक जिंदगी पूरी कर 92वें में प्रवेश कर रहे हैं। मुरादाबाद (उ.प्र.) के कांठ कस्बे में 30 मार्च, 1926 को जन्मे। बचपन से ही लीक छोड़कर चले। आजादी की लड़ाई में हिस्सा लिया। उसकी सजा भुगती। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से ऊंची शिक्षा ली। वहां का परिवेश उन्हें भा गया। वे राष्ट्रीयता की धारा में एक विनम्र सेवक बने। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से उनका संपर्क वहीं हुआ।

उनके जीवन की धारा बदल गयी। परिव्राजक जीवन अपनाया। संघ के प्रचारक बने। पर स्वाध्याय उनकी वृत्ति थी, इसलिए पुनः अध्ययन की ओर लौटे। इतिहास और भारतीय ज्ञान परम्परा को अपने अध्ययन का विषय बनाया। उन्हीं दिनों पत्रकारिता भी की। पाञ्चजन्य के संपादक रहे। लंबे समय तक पाञ्चजन्य, में 'मंथन' स्तंभ लिखा। उनके विचार प्रधान लेखों का संकलन कर एक दर्जन से ज्यादा पुस्तकें छपी हैं। ये पुस्तकें प्रो. देवेन्द्र स्वरूप के चिंतन, मनस्वी और प्रखर बौद्धिकता के दस्तावेज हैं। इनसे भावी पीढ़ी प्रेरणा लेती रहेगी।

प्रो. देवेन्द्र स्वरूप दीनदयाल शोध संस्थान के निदेशक भी रहे। आधुनिक भारत की औपनिवेशिकता को उन्होंने अपने भाषणों से जो समझाया, वह एक पुस्तक के रूप में उपलब्ध है। उन्हें पद, सम्मान और पुरस्कार के अनेक प्रस्ताव मिले, जिन्हें संकल्पपूर्वक अस्वीकार कर दिया।

इ. गां. रा. क. केन्द्र संस्कृति संवाद श्रृंखला चला रहा है। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के ख्यातिलब्ध व्यक्तियों और सांस्कृतिक प्रश्नों पर संवाद आयोजित होता है। इस श्रृंखला में अब तक डॉ. नामवर सिंह, स्वामी रामानुजाचार्य, एम.एस. सुब्बालक्ष्मी केन्द्रित संवाद आयोजित किये गये हैं। इन संवादों को डीवीडी एवं पुस्तक के माध्यम से जनमानस तक पहुंचाया जाता है।

वेबसाइट: www.ignca.nic.in

ईमेल: ignca.kaladarsana@gmail.com

फेसबुक: www.facebook.com/IGNCA ट्विटर: @igncakd